एम.ए.एच.

एम.ए. (इतिहास)
द्वितीय वर्ष

सत्रीय कार्य
2022-2023

एम.ए. इतिहास द्वितीय वर्ष के पाठ्यक्रमों के लिए
जुलाई 2022 और जनवरी 2023 सत्रों के लिए

एम.एच.आई.-03	:	इतिहास-लेखन
एम.एच.आई.-06	:	भारत में विभिन्न युगों के दौरान सामाजिक संरचना का विकास
एम.एच.आई.-08	:	भारत में पारिस्थितिकी और पर्यावरण का इतिहास
एम.एच.आई.-09	:	भारतीय राष्ट्रीय आंदोलन
एम.एच.आई.-10	:	भारत में नगरीकरण
एम.पी.एस.ई.-003	:	पश्चिम राजनैतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक)
एम.पी.एस.ई.-004	:	आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनैतिक चिंतन

इग्नू
जन-जन का विश्वविद्यालय

इतिहास संकाय
सामाजिक विज्ञान विद्यापीठ
इन्दिरा गाँधी राष्ट्रीय मुक्त विश्वविद्यालय
मैदान गढ़ी, नई दिल्ली-110068

एम.ए. इतिहास (द्वितीय वर्ष)
सत्रीय कार्य
जुलाई 2022- जनवरी 2023 सत्रों के लिए

प्रिय विद्यार्थी,

आपको प्रत्येक पाठ्यक्रम में एक सत्रीय कार्य करना है। सभी सत्रीय कार्य अनिवार्य हैं। प्रत्येक सत्रीय कार्य पूरे पाठ्यक्रम पर आधारित है।

सत्रीय कार्य के सभी प्रश्नों के उत्तर आप अपने शब्दों में दें। यह अत्यंत आवश्यक है कि प्रश्न का उत्तर जितने शब्दों में देने के लिए कहा जाए उसका उत्तर लगभग उतने ही शब्दों में दीजिए।

सत्रीय कार्य पूरा करने के बाद आप इसे अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास जमा करें। सत्रीय कार्य जमा करने के बाद इसकी पावती अवश्य प्राप्त कर लें और इसे अपने पास संभाल कर रख लें। अच्छा हो कि आप अपने सत्रीयकार्यों के उत्तर की फोटोकॉपी भी अपने पास रख लें।

सत्रीयकार्यों के उत्तर जाँचने के बाद जाँचे गये उत्तर अध्ययन केन्द्र से आपको लौटा दिए जाएँगे। आप इसकी माँग अवश्य करें। अध्ययन केन्द्र आपके द्वारा प्राप्त अंक विद्यार्थी पंजीकरण एवं मूल्यांकन प्रभाग, इग्नू, दिल्ली को भेज देगा। इसे आपके ग्रेड कार्ड में शामिल कर लिया जाएगा।

सत्रीय कार्य जमा करना

आपको इस बात का ध्यान रखना चाहिए कि सत्रांत परीक्षा देने से पहले आप सत्रींय कार्य अवश्य जमा करा दें। इसलिए आपको यह सलाह दी जाती है कि आप इसे दी गई अवधि के भीतर पूरा कर लें। एम.ए. द्वितीय वर्ष में आपको कुल मिलाकर 4 सत्रीय कार्य करने हैं। लेकिन अगर आपने एमपीएससी–003 और एमपीएससी–004 पाठ्यक्रमों का चयन किया है तो आपको कुल मिलाकर 5 सत्रीय कार्य करने होंगे। सभी सत्रीय कार्यों की जमा करने की अंतिम तारीख 31 मार्च 2023 है लेकिन आपको हम यह सलाह देना चाहते हैं कि आप अपने पाठ्यक्रम के अध्ययन के साथ-साथ इसे बारी बारी से पूरा करते चलें और इसी हिसाब से आप उसे जमा भी करते जाएँ ताकि आपको अंक, परामर्शदाता की टिप्पणी और मूल्याकित सत्रीय कार्य मिलते रहें। सुनियोजित ढंग से योजना बनाकर आप निर्धारित अवधि के भीतर अपने सारे सत्रीय कार्य पूरे कर सकते हैं । सभी सत्रीय कार्यों को जमा करने के लिए अंतिम तारीख का इंतजार नहीं करें क्योकि एक ही साथ सारे सत्रीयकार्यो को हल करना आपके लिए मुश्किल हो जाएगा।

सत्र	सत्रीय कार्य जमा करने की तारीख	सत्रीय कार्य जमा करने का स्थान
जुलाई 2022 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	31 मार्च 2023	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास
जनवरी 2023 सत्र के विद्यार्थियों के लिए	30 सितम्बर 2023	अपने अध्ययन केन्द्र के संयोजक के पास

सवालों का जवाब देने से पहले नीचे दिए गए निर्देशों को ध्यानपूर्वक पढ़िएः

सत्रीय कार्य के लिए निर्देश

इन सत्रीय कार्यों में दो तरह से सवाल पूछे जाएँगेः

1) प्रत्येक विवरणात्मक और निबंधात्मक प्रश्नों का उत्तर लगभग 500 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 20 अंक निर्धारित होंगे।

2) प्रत्येक लघु श्रेणी प्रश्नों का उत्तर लगभग 250 शब्दों में देना होगा और प्रत्येक प्रश्न के लिए 10 अंक निर्धारित होंगे।

निम्नलिखित बातों को ध्यान में रखने से आपके लिए उत्तर देना आसान होगाः

क) **नियोजन** : सत्रीय कार्यों को ध्यान से पढ़िए। उन इकाइयों को ध्यान से पढ़िए जिनसे ये सवाल पूछे गए हैं। प्रत्येक सवाल का जवाब देने के लिए कुछ प्रमुख बिन्दुओं को अलग से लिख लें और इन्हें तार्किक ढंग से फिर से व्यवस्थित कर लें।

ख) **चयन** : अपने जवाब की रूपरेखा बनाते समय जरूरी बातों का ही उल्लेख करें। उत्तर को विश्लेषणात्मक बनाएँ। निबंधात्मक प्रश्न में प्रस्तावना और निष्कर्ष अवश्य शामिल करें। प्रस्तावना के अन्तर्गत उत्तर के प्रमुख पक्षों को प्रस्तुत करें और यह बताएँ कि आप इस सवाल का जवाब किस तरह से देने जा रहे हैं। अपने उत्तर के उपसंहार में मुख्य बिन्दुओं का सार भी दें।

उत्तर देते वक्त इस बात का ध्यान रखें किः

- आपका उत्तर तर्कसंगत और सुसंगत हो,
- वाक्यों और अनुच्छेद के बीच स्पष्ट संबंध हो,
- आपकी शैली, अभिव्यक्ति और प्रस्तुति के साथ-साथ आपके उत्तर भी सही हों,
- यह चेष्टा करें कि आपके उत्तर शब्द सीमा से अधिक न हों।

ग) **प्रस्तुति** : जब आप संतुष्ट हो जाएँ तो सत्रीय कार्य जमा करने से पहले इसे साफ-साफ लिख लें। जिन बिंदुओं पर आप बल देना चाहते हैं उन्हें रेखांकित भी कर सकते हैं।

घ) **व्याख्या** : इतिहास लेखन में व्याख्या एक निंरतर प्रक्रिया है। यह आपकी योजना और चयन में पहले ही अभिव्यक्त हो चुका है। "हो सकता है", "संभव है", "हो सकता था", आदि जैसी व्याख्यात्मक टिप्पणियाँ खुद ब खुद लेखन में व्याख्या के तथ्य शामिल कर लेती हैं। यहाँ यह ध्यान रखना होगा कि इस प्रकार की टिप्पणियों के साथ-साथ आपके उत्तर में इसे पुष्ट करने वाले तथ्य भी शामिल होने चाहिए।

एम.एच.आई.-03: इतिहास-लेखन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-03
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-03/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. सामान्यीकरण क्या है? इतिहास-लेखन में सामान्यीकरण की भूमिका की विवेचना कीजिए। **20**

2. 'सूक्ष्म इतिहास' से आप क्या समझते हैं? इतिहास-लेखन की इस परम्परा से संबंधित इतिहासकारों और उनकी रचनाओं का वर्णन कीजिए। **20**

3. ग्रीक-रोमन इतिहास-लेखन की प्रमुख विशिष्टताओं की विवेचना कीजिए। **20**

4. इतिहास-लेखन के *अनाल* स्कूल के संस्थापक कौन थे? उनकी रचनाओं का वर्णन कीजिए। **20**

5. सल्तनत काल के दौरान इतिहास लेखन की इंडो-फारसी परम्परा के महत्वपूर्ण पहलुओं का वर्णन कीजिए। **20**

भाग-ख

6. द्वितीय विश्वयुद्ध के बाद पश्चिम में मार्क्सवादी इतिहास-लेखन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

7. भारत में औपनिवेशिक इतिहास-लेखन की राष्ट्रवादी इतिहास-लेखन से तुलना कीजिए। **20**

8. 'जनोन्मुखी इतिहास' से आप क्या समझते हैं? भारतीय इतिहास-लेखन के विशेष संदर्भ में इसकी विवेचना कीजिए। **20**

9. भारत में स्त्रीवादी इतिहास-लेखन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग 250 शब्दों **(प्रत्येक)** में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए : **10+10**

    क) वस्तुपरकता और व्याख्या

    ख) जाति के बारे में औपनिवेशिक अवधारणा

    ग) प्राचीन भारतीय इतिहास-लेखन

    घ) इतिहासकार और कारण-कार्य संबंध

एम.एच.आई.-06: भारत में विभिन्न युगों के दौरान सामाजिक संरचना का विकास
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-06
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-06/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. प्राचीन भारत के इतिहास लेखन में पुरातात्विक व साहित्यिक स्रोतों की भूमिका की चर्चा कीजिए। **20**

2. नवपाषाण काल में पशुओं और पेड़-पौधों के प्राणिपालन (domestication) से आप क्या समझते हैं? **20**

3. वैदिक काल में अनुष्ठानों के महत्व की व्याख्या कीजिए। **20**

4. बौद्ध धर्म व जैन धर्म को चिन्हित तथा निरूपित करने वाले सामाजिक-धार्मिक और बौद्धिक (intellectual) जागृति पर टिप्पणी कीजिए। **20**

5. भारतीय इतिहास में सामंतवाद-सबंधी विवाद का अवलोकन आप किस प्रकार करते हैं? **20**

भाग-ख

6. भारत में ग्रामीण समाज पर विभिन्न इतिहासकारों के दृष्टिकोणों एवं मतों पर टिप्पणी कीजिए। **20**

7. बी. डी. चटोप्पाध्याय और एन. ज़िग्लर (N. Ziegler) के शोध के संदर्भ में राजपूतों के मूल व उदय पर चर्चा कीजिए। **20**

8. प्रारंभिक सामाजिक सुधारकों एवं राष्ट्रवादियों ने जाति व्यवस्था को किस प्रकार देखा? चर्चा कीजिए। **20**

9. विदेशों में भारतीय प्रवासियों के जीवन को आकार देने में उनके जीवंत अनुभवों (lived experiences) की भूमिका पर टिप्पणी कीजिए। **20**

10. भारतीय स्वतंत्रता आंदोलन में महिलाओं की भूमिका पर चर्चा कीजिए। **20**

एम.एच.आई.-08: भारत में पारिस्थितिकी और पर्यावरण का इतिहास
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-08
सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-08/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : यह सत्रीय कार्य दो भागों में बंटा है। आपको हर भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर (प्रत्येक लगभग 500 शब्दों में) अवश्य देने हैं। कुल मिलाकर आपको पांच प्रश्नों के उत्तर देने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. प्रकृति के विभिन्न आयामों के इतिहास ने हाल के दिनों में इतिहासकारों का ध्यान आकर्षित किया है। पूर्व–औपनिवेशिक अतीत के पर्यावरण इतिहास के संदर्भ में परीक्षण कीजिए। **20**

2. भारत के तटीय निम्न क्षेत्रों पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

3. भारत में जल अधिकारों को परिभाषित करने वाले विभिन्न सिद्धांतों पर चर्चा कीजिए। **20**

4. संरक्षण के भारतीय दृष्टिकोण का समालोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

5. भारत में प्रारंभिक कृषि के क्षेत्रीय विस्तार पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

भाग-ख

6. 1927 के भारतीय वन अधिनियम की मुख्य विशेषताओं पर चर्चा कीजिए। **20**

7. उद्योगवाद पर पर्यावरण बहस पर एक नोट लिखिए। **20**

8. पर्यावरण संसाधनों का दोहन औपनिवेशिक पर्यावरण एजेंडा को परिभाषित करता है। टिप्पणी कीजिए। **20**

9. जैव विविधता संरक्षण समय की मांग है। जन मानस की पहल के संदर्भ में इसका परीक्षण कीजिए। **20**

10. क्या आप सहमत हैं कि बौद्धिक संपदा अधिकारों के व्यापार संबंधी पहलुओं के प्रावधान (ट्रिप्स) जैव विविधता पर सम्मेलन (सीबीडी) के उद्देश्यों के विरोध में हैं। टिप्पणी कीजिए। **20**

एम.एच.आई.-09: भारतीय राष्ट्रीय आन्दोलन
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-09

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-09/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. भारतीय राष्ट्रवाद पर मार्क्सवादी इतिहासकारों और सबाल्टर्न अध्ययन के दृष्टिकोणों की तुलना कीजिए। **20**

2. भारतीय चिन्तकों के विशेष संदर्भ में आर्थिक राष्ट्रवाद पर एक टिप्पणी कीजिए। **20**

3. असहयोग आन्दोलन पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

4. 1937 और 1939 के बीच कांग्रेस मंत्रिमंडलों की उपलब्धियों का विश्लेषण कीजिए। **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   क) राष्ट्रवाद पर गैर-आधुनिकतावादी सिद्धांत

   ख) स्वदेशी आन्दोलन

   ग) स्वराज पार्टी के राजनीतिक विचार

   घ) देशी रियासतों में राजनीतिक गोलबन्दी

भाग-ख

6. 1945 और 1947 के बीच जन-आन्दोलनों के विभिन्न रूपों का वर्णन कीजिए। **20**

7. राष्ट्रवाद और कृषक वर्ग के बीच के संबंधों पर विभिन्न इतिहासकारों के विचारों की विवेचना कीजिए। **20**

8. राष्ट्रवाद और दलित वर्ग के बीच के संबंध पर एक टिप्पणी लिखिए। **20**

9. भारत में औपनिवेशिक राज्य के विरूद्ध लड़ाई में प्रयुक्त गांधीवादी रणनीति का विश्लेषण कीजिए। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग 250 शब्दों (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    क) कांग्रेस द्वारा देश के विभाजन को स्वीकार करने के कारण

    ख) कांग्रेस के प्रति भारतीय पूंजीपतियों का रवैया

    ग) 1885 से 1914 तक कांग्रेस और मुस्लिम वर्ग के बीच के संबंध

    घ) भारतीय संविधान की मुख्य विशेषताएँ

एम.एच.आई.-10: भारत में नगरीकरण
अध्यापक जाँच सत्रीय कार्य

पाठ्यक्रम कोड : एम.एच.आई.-10

सत्रीय कार्य कोड : एम.एच.आई.-10/ए.एस.टी./टी.एम.ए./2022-23
पूर्णांक : 100

नोट : किन्हीं पाँच प्रश्नों के उत्तर लिखें। सत्रीय कार्य दो भागों में क एवं ख में विभाजित है। आपको प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों के उत्तर लगभग 500 शब्दों में लिखने हैं। सभी प्रश्नों के अंक समान हैं।

भाग-क

1. 'ज्ञान के नवीन रूपों के अविर्भाव तथा उनके नगर के साथ संबंध किस प्रकार आधुनिक नगरों को अपने पूर्व आधुनिक नगरों से भिन्नता प्रदान करते हैं'। परीक्षण कीजिए। **20**

2. मोहनजोदड़ो के विन्यास (layout) और प्रमुख विशेषताओं की चर्चा कीजिए। **20**

3. तक्षशिला घाटी के सिरकप तथा सरसुख नगरों की भीर टीला से तुलना कीजिए। **20**

4. आर. एस. शर्मा की नगरीय पतन की अवधारणा की व्याख्या कीजिए। इस अवधारणा के प्रति प्रतिक्रिया की प्रकृति क्या थी? **20**

5. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250 शब्दों** (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

   क) हड़प्पा नगरों का विन्यास (layout)

   ख) *अर्थशास्त्र* में नगरों का वर्णन

   ग) *जनपद* तथा *महाजनपद*

   घ) उत्तर-गुप्तकालीन नगरीकरण की प्रमुख विशेषताएँ

भाग-ख

6. प्रायद्वीपीय भारत के मंदिर नगरों की प्रमुख विशेषताओं का आलोचनात्मक परीक्षण कीजिए। **20**

7. मुगल नगरों की विशेषताओं का विश्लेषण कीजिए। बर्नियर की 'शिविर नगरों' संबंधी अवधारणा क्या थी? **20**

8. अठारहवीं शताब्दी की प्रांतीय राजधानी के रूप में लखनऊ के विशिष्ट पहलुओं पर प्रकाश डालिए। **20**

9. किस प्रकार नस्ल, वर्ग और जातीयता ने नगरीय स्थानिक संबंधों और वातावरण पर नियंत्रण को आकार प्रदान किया। **20**

10. निम्नलिखित में से किन्हीं **दो** पर लगभग **250 शब्दों** (प्रत्येक) में संक्षिप्त टिप्पणियाँ लिखिए: **10+10**

    क) गौड़ और पांडुवा

    ख) गोवा का एक पत्तन के रूप में उद्‌भव

    ग) इम्प्रूवमेंट ट्रस्ट (Improvement Trusts)

    घ) देश विभाजन तथा पुनर्वास

एमपीएसई–003 : पश्चिमी राजनीतिक चिंतन (प्लेटो से मार्क्स तक)

अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–003/2022-23
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए। प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – क

1. पश्चिमी राजनीतिक चिंतन के महत्व और प्रासंगिकता पर एक टिप्पणी लिखिए।
2. प्लेटो के राजनीतिक दर्शन का मूल्यांकन कीजिए। पश्चिमी राजनीतिक चिंतन में उनका क्या योगदान था?
3. कानून और राज्य पर तथा चर्च और राज्य के मध्य संबंधों पर सेंट थॉमस एक्विनास के विचारों की व्याख्या करें।
4. राजनीति और सरकार के प्रारूपों पर मैक्यावली के विचारों का विश्लेषण कीजिए।
5. लॉक के राजनीतिक सिद्धांत की संक्षेप में चर्चा कीजिए।

भाग – ख

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।

6. क) नागरिक समाज और सामाजिक अनुबंध पर रूसो
   ख) लोकतंत्र और धर्म पर एडमंड बर्क
7. क) इमैनुअल कांट का राजनीतिक दर्शन
   ख) जेरेमी बेंथम और उपयोगितावादी सिद्धांत
8. क) धर्म पर एलेक्सि डी टॉक्युविले के विचार
   ख) महिलाओं के अधिकारों पर जॉन स्टुअर्ट मिल के विचार
9. क) व्यक्तिगत स्वतंत्रता पर जॉन स्टुअर्ट मिल के विचार
   ख) हेगेल का ऐतिहासिक दर्शन
10. क) मार्क्स का साम्यवादी समाज का उद्देश्य
    ख) मार्क्स का ऐतिहासिक भौतिकवाद का सिद्धान्त

एमपीएसई–004 : आधुनिक भारत में सामाजिक एवं राजनीतिक चिंतन
अध्यापक जांच सत्रीय कार्य

सत्रीय कार्य कोडः एएसएसटी/एमपीएसई–004/2022-23
पूर्णांकः 100

इनमें से किन्हीं पांच प्रश्नों के उत्तर दीजिए, प्रत्येक भाग से कम से कम दो प्रश्नों का चयन आवश्यक है। प्रत्येक प्रश्न का उत्तर लगभग 500 शब्दों में दीजिए। प्रत्येक प्रश्न 20 अंकों का है।

भाग – क

1. प्राचीन भारत में राज्य और संप्रभुता की चर्चा कीजिए।
2. प्राच्यवादियों और राष्ट्रवादियों ने भारत के विचार की कल्पना कैसे की थी?
3. दयानंद सरस्वती के धार्मिक–राजनीतिक विचारों पर एक टिप्पणी लिखिए।
4. राष्ट्रवाद पर स्वामी विवेकानंद के विचारों का परीक्षण कीजिए।
5. वी.डी. सावरकर के हिंदू राष्ट्रवाद की मुख्य विशेषताओं का विस्तार से वर्णन कीजिए।

भाग – ख

निम्नलिखित पर लगभग 250 शब्दों में लघु टिप्पणी लिखिए।

6. क) ज्योतिबा फुले के सामाजिक विचार
   ख) एम. ए. जिन्ना का द्वि–राष्ट्र सिद्धान्त (टू नेशन थ्योरी)

7. क) ई.वी. रामास्वामी नायकर और द्रविड़ एकीकरणण (मोबिलाइज़ेशन)
   ख) पितृसत्ता पर पंडिता रमाबाई

8. क) गॉधी की सर्वोदय की अवधारणा
   ख) गांधी का ग्राम स्वराज

9. क) संस्कृति पर जवाहरलाल नेहरू के विचार
   ख) सामाजिक न्याय पर डॉ. बी. आर. अम्बेडकर के विचार

10. क) राष्ट्रवाद पर रवींद्रनाथ टैगोर के विचार
    ख) एम.एन. रॉय का उग्र मानवतावाद